Unit - 1

B.A Semester Third

By - Aparna kumari

Paper - 5 Geographical Thought And three Southern Continents

Topic Name – भूगोल की आधारभूत संकल्पनाएँ

The Basic Concepts of Geography

किसी भी विषय के अध्ययन के लिए हमें कुछ महत्वपूर्ण सिद्धांतों और संकल्पनाओं की आवश्यकताएँ होती है या इसके अध्ययन के आधार निर्धारित किये जाते हैं जिसके आधार पर हम उस विषय का अध्ययन करते हैं। इसी प्रकार भूगोल विषय के अध्ययन के लिए भी कुछ महत्वपूर्ण सिद्धांतों और संकल्पनाओं का आधार बताया गया है जिसके आधार पर हम भूगोल का विश्लेषण करते हैं। वह कुछ महत्वपूर्ण आधार 10 है जो निम्नलिखित हैं! –

1. पृथ्वीतल या भूतल की संकल्पना (Concept of Earth)

2. अवस्थिति की संकल्पना (Concept of Location)

3. स्थानिक वितरण (Concept of Spatial distribution)

4. स्थानिक अन्तर्क्रिया (Spatial Interaction) की संकल्पना

5. पारिस्थितिक प्रदेश (Ecological region) की संकल्पना।

6. क्षेत्रीय भिन्नता (Areal differentiation) की संकल्पना।

7. क्षेत्रों की आंतरिक सम्बद्धता (Spatial internal Coherence) की संकल्पना।

8. पृथ्वी का सांस्कृतिक मूल्यांकन (Cultural appraisal of the earth)।

9. समय के साथ-साथ परिवर्तन की संकल्पना : काल पक्ष (The Concept of temporal change or Succession - time aspect)।

10. स्केल की संकल्पना (Concept of Scale).

1. पृथ्वीतल या भूतल की संकल्पना (Concept of Earth's surface) →

भूगोल में भूतल की संकल्पना सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि पृथ्वीतल का अध्ययन हम भूगोल में मानवीय संसार के रूप में करते है।

सामान्यत: भूतल या पृथ्वीतल का अर्थ होता है "पृथ्वी का तल"।

लेकिन भूगोल के अध्ययन में भूतल के चार तथ्य सम्मलित होते है या किये जाते है जो निम्नलिखित है। —

1. पृथ्वी पर समस्त थल - खण्ड (Land) और महासागरों के तल (ocean - ~~bed~~ bottom)।

2. पृथ्वी तल के नीचे थोड़ी गहराई तक का शैल परत, जो मानवीय जीवन और मानवीय क्रियाओं पर सीधा प्रभावकारी होता है अर्थात् जिससे जल प्राप्त होता है, जिससे कोयला, पेट्रोल आदि शक्ति के संसाधन प्राप्त होते हैं या ~~खनिज~~ खनिज और धातुएँ प्राप्त होती हैं, या जिसके ज्वालामुखी विस्फोट, अथवा भूकम्प तरंगें मानवीय बस्तियों तथा मानवीय क्रियाओं पर प्रभाव डालते हैं।

3. वायुमंडल, विशेषत: वायुमण्डल का निचला पर्त क्रोकमण्डल जिसके ऋतुएँ और जलवायु की विभिन्नतायें होती हैं।

4. पृथ्वी के सौर्य सम्बंध जिनसे सूर्य के द्वारा पृथ्वी पर दिन-रात, मौसम, जलवायु, मृदा निर्माण, वनस्पति-वर्ग और समस्त जीवधारियों की उत्पत्ति पालन-पोषण आदि होते हैं।

भूगोल के अध्ययन में दी गई बाकि संकल्पनाएँ भी भूतल के संकल्पना से ही सम्बंधित हैं और उसका विश्लेषण किया गया है।